दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 02 जुलाई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 274

महत्वपूर्ण एवं खास

श्रीनगर हाईवे पर सडक़ हादसे में 4 अमरनाथ तीर्थयात्री हुए घायल

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर शुक्रवार को एक सडक़ दुर्घटना में अमरनाथ गुफा मंदिर जाने वाले चार तीर्थयात्री घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के पहलगाम आधार शिविर में यात्रियों को ले जा रहा एक वाहन जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर रामबन जिले के शेरबीबी इलाके के पास चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया। सूत्रों ने कहा, इस दुर्घटना में चार यात्री घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है। घायलों की पहचान छत्तीसगढ़ के विनायक गुप्ता, अनीता और गुडिय़ा और उत्तर प्रदेश के कुंदन कुमार के रूप में हुई है।

बेकाबू ट्रक ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, महिला समेत पांच की दर्दनाक मौत

सुल्तानपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर से सडक़ दुर्घटना की खबर सामने आई है। सुल्तानपुर के देहात कोतवाली के बाईपास स्थित ओदरा कमनगढ़ में हुए भीषण सडक़ हादसे में ई-रिक्शा सवार महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय ई-रिक्शा पर आठ लोग सवार थे। वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। चार लोगों की हालत गंभीर है। उन्हें लखनऊ रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार जहां एक अनियंत्रित ट्रक ने ई रिक्शा को टक्कर मार दी, इस चलते हादसे में ई रिक्शा सवार महिला समेत 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

सीहोर जिले में बिजली गिरने से दो युवकों की हुई मौत

सीहोर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि आष्टा तहसील में तेज बारिश के दौरान कल आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। इस घटना में आष्टा की इंदिरा कॉलोनी निवासी अंकित (20) और अनिल मालवीय (21) मौत हो गयी। बताया गया कि बारिश से बचने के लिए दोनों लोग पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी बिजली गिरी और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सीहोर जिले में कल लंबे इंतजार के बाद दोपहर बाद आष्टा क्षेत्र सहित पूरे ग्रामीण अंचल में जोरदार झमाझम बारिश हुई है। मृतकों के शवो का आज पोस्टमार्टम कर उनके शव को परिवारों क़ो सोपे गए।

पंजाब के लोगों को आज से हर महीने 300 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी : मुख्यमंत्री भगवंत मान

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के लोगों को आज से हर महीने 300 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी। हम खुश हैं कि हम इस गारंटी को पूरा कर पाए हैं। खेती के लिए हमने 8 घंटे बिजली देने का वादा किया था वो भी 8 घंटे या 15 घंटे बिजली आती रही, इससे संबंधित हमें एक भी शिकायत नहीं मिली है। इसके अलावा भगवंत मान ने कहा आने वाले दिनों में हम और गारंटी पूरी करेंगे। 31 दिसंबर से पहले जितने भी किलोवाट का बिल है वो हम माफ करेंगे।

मणिपुर भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 10

❐ अभी भी 55 लोग लापता

इम्फाल (आरएनएस)। मणिपुर के नोनी जिले में एक रेलवे निर्माण स्थल पर हुए भूस्खलन की चपेट में आकर जान गंवाने वालों की संख्या शुक्रवार को बढक़र 10 हो गई। शुक्रवार तडक़े मलबे से दो और शव बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूस्खलन टुपुल यार्ड रेलवे निर्माण शिविर में बुधवार रात हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि सेना, असम राइफल्स, प्रादेशिक सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनआरडीएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) द्वारा खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा है। अब भी करीब 55 लोग लापता हैं। घटनास्थल से बृहस्पतिवार तक प्रादेशिक सेना के सात जवानों सहित आठ शव बरामद किए गए थे।

एक अधिकारी ने कहा, सुबह खोज अभियान के दौरान प्रादेशिक सेना के दो और जवानों के शव बरामद किए गए। एनआरडीएफ, असम राइफल्स, जिला पुलिस, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, स्थानीय स्वयंसेवकों और अन्य के अतिरिक्त सहयोग से खराब मौसम के बीच भी बचाव अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक प्रादेशिक सेना के 13 जवानों और पांच नागरिकों को बचाया गया है।

पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आर.पी. कलिता ने घायल प्रादेशिक सेना के जवानों से मुलाकात की, जिन्हें बृहस्पतिवार को लीमाकोंग सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अब उनका इलाज मंत्रिपुखरी में असम राइफल्स के अस्पताल में चल रहा है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा की है। मणिपुर के राज्यपाल एल. गणेशन ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया है।

भूस्खलन के कारण मलबे ने बड़े पैमाने पर इजेई नदी को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे एक जलाशय बन गया है, जो निचले इलाकों को जलमग्न कर सकता है। नोनी जिले के उपायुक्त द्वारा जारी एक परामर्श में कहा गया, टुपुल यार्ड रेलवे निर्माण शिविर में भूस्खलन के कारण कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। भूस्खलन के कारण मलबे ने बड़े पैमाने पर इजेई नदी को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे एक जलाशय बन गया है, जो निचले इलाकों को जलमग्न कर सकता है।

प्रशासन ने इन इलाकों में रहने वाले लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। कई स्थानों पर सडक़ों के अवरुद्ध होने के कारण लोगों को राष्ट्रीय राजमार्ग-37 से गुजरने से बचने की सलाह दी गई है।

कर्नाटक के जिलों में महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के कोडागु और दक्षिण कन्नड़ जिलों में शुक्रवार सुबह हल्के झटके महसूस किए गए। चेम्बू, पेराजे, कोडागु के कारिके और दक्षिण कन्नड़ जिलों के सुलिया, संपाजे और कल्लुगुंडी गांवों के स्थानीय लोगों ने रात 1.12 बजे 4 से 5 सेकंड तक झटके महसूस किए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल गए। यह पांचवीं बार था जब कोडागु-दक्षिण कन्नड़ जिले के सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों के लोगों ने इस सप्ताह झटके महसूस किए। लोग चिंतित हैं क्योंकि 2018 में भूकंप के झटके के बाद क्षेत्र में बाढ़ और भूस्खलन के रूप में प्राकृतिक आपदाएं आई थीं। कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने तीन दिन पहले आए भूकंप की पुष्टि रिक्टर पैमाने पर 2.7 की तीव्रता वाले भूकंप के रूप में की है। इससे पहले, 28 जून को कोडागु, दक्षिण कन्नड़ जिलों के कई स्थानों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिससे दोनों जिलों के लोगों में दहशत फैल गई थी। जिला प्राधिकरण और कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) इस मामले को देख रहे हैं।

पाकिस्तान में मोबाइल, इंटरनेट बंद होने की नौबत; बिजली की किल्ल्त ने बढ़ाई मुश्किल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में बिजली की किल्लत के चलते मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद होने की नौबत आ गई है। पाकिस्तानी राष्ट्रीय सूचना तकनीकी बोर्ड (एनआईटीबी) ने इस बारे में चेतावनी भी जारी कर दी है। इस बारे में किए एक ट्वीट में एनआईटीबी ने लिखा है कि देशभर में घंटों बिजली की कटौती हो रही है। इससे परेशान टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को बंद करने की चेतावनी दी है। बिजली की कटौती से ऑपरेटर्स को मुश्किल हो रही है और वो अपनी सेवाओं को जारी रख पाने में सक्षम नहीं हैं।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री दे चुके हैं वॉर्निंग- वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पहले ही और ज्यादा बिजली कटौती की चेतावनी जारी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते दबाव के चलते जुलाई में और ज्यादा पॉवर क्राइसिस होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को जरूरत के मुताबिक लिक्विड नैचुरल गैस की सप्लाई नहीं मिल पा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हालांकि गठबंधन सरकार इस डील को संभव बनाने के प्रयास में लगी हुई है।

लिक्विड गैस की सप्लाई न होने से परेशानी- गौरतलब है कि पाकिस्तान लगातार पावर क्राइसिस से जूझ रहा है। अगले महीने होने वाली गैस सप्लाई की डील नहीं हो सकी है। वहीं आंकड़े लगातार यह दिखा रहे हैं कि पाकिस्तान लिक्विड गैस की सप्लाई के लिए जूझ रहा है, जबकि तेज गर्मी के बीच यहां पर इसकी सबसे ज्यादा डिमांड है। वहीं बिजली बचाने के लिए पाकिस्तान सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के काम के घंटे कम कर दिए हैं। साथ ही कराची समेत विभिन्न शहरों में शॉपिंग मॉल्स और फैक्ट्रियों को शाम से पहले बंद करने का आदेश दिया गया है।

महाराष्ट्र में महाभारत : शिंदे की राह में रोड़ा अटकाने सुप्रीम कोर्ट पहुंची शिवसेना

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में शिवसेना के उद्धव ठाकरे टीम को फिर से झटका लगा है। अदालत ने एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों की अयोग्यता पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि 11 जुलाई को ही अन्य केसों के साथ ही इस मसले पर सुनवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मसले पर तत्काल सुनवाई नहीं हो सकती है। 11 जुलाई को बहुमत परीक्षण को चुनौती देने वाली अर्जी समेत सभी मामलों पर एक साथ ही सुनवाई की जाएगी।

दरअसल विधायक और शिवसेना के चीफ व्हिप सुनील प्रभु की ओर से दायर अर्जी में कहा गया था कि एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों पर अयोग्यता का नोटिस है। ऐसे में उस पर फैसला होने तक उनकी विधानसभा में एंट्री पर रोक लगनी चाहिए। यही नहीं उनका कहना था कि अयोग्यता नोटिस पर फैसले तक इन विधायकों को निलंबित कर दिया जाए। सुनील प्रभु की ओर से सीनियर वकील कपिल सिब्बल पेश हुए थे, लेकिन अदालत ने कहा कि इस पर तत्काल सुनवाई नहीं की जा सकती।

इस बीच महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र भी एक दिन के लिए टल गया है। अब 3 और 4 जुलाई को विधानसभा का स्पेशल सेशन होगा। पहले दिन विधानसभा के स्पीकर का चुनाव कराया जाएगा और फिर अगले दिन यानी 4 जुलाई को शिंदे की सरकार बहुमत साबित करेगी। कोर्ट की ओर से 11 जुलाई को ही सुनवाई किए जाने से साफ है कि अब एकनाथ शिंदे सरकार आसानी से बहुमत साबित कर सकेगी।

शिवसेना की अर्जी में कहा गया था कि एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों को डिप्टी स्पीकर की ओर से अयोग्यता का नोटिस भेजा गया था। अभी इस पर कोई फैसला नहीं हो सका है। ऐसे में उस पर कोई निर्णय होने से पहले इन लोगों की विधानसभा में एंट्री नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा ये लोग विधायक के तौर पर बहुमत परीक्षण में मतदान का भी अधिकार नहीं रखते हैं। इसी तर्क के साथ सुनील प्रभु ने कहा है कि फिलहाल महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत परीक्षण पर भी रोक होनी चाहिए। बता दें कि एकनाथ शिंदे ने गुरुवार शाम को ही महाराष्ट्र के सीएम पद की शपथ ली थी और भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम बन गए हैं।

एसटीएफ के छह जवानों की हत्या के आरोप में ठोकिया गिरोह के 13 सदस्यों को हुई उम्रकैद

बांदा (आरएनएस)। डकैत ददुआ की हत्या का बदला लेने के लिए उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (यूपी-एसटीएफ) के छह जवानों की हत्या करने वाले तत्कालीन ठोकिया गिरोह के 13 सदस्यों को बांदा विशेष अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। घटना 2007 की है। सरकारी वकील जय प्रकाश साहू ने कहा कि बांदा की विशेष न्यायाधीश (डकैती विरोधी) नूपुर ने गिरोह के प्रत्येक सदस्य पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाते हुए सजा सुनाई। अगर वे भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

मारे गए डकैत अंबिका पटेल ठोकिया के गिरोह के 13 सदस्यों को 2007 में तत्कालीन मोस्ट वांटेड ब्रिगेडियर शिव कुमार ददुआ की हत्या का बदला लेने के लिए बांदा जिले में घात लगाकर यूपी-एसटीएफ के छह कर्मियों की हत्या करने का दोषी ठहराया गया था।

दोषियों में नाथू पटेल, देव शरण पटेल, शंकर सिंह, चुनबाद, शिव नरेश, राम बाबू, अशोक, ज्ञान सिंह, धनीराम, किशोरी लाल, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, कल्याण सिंह और राम प्रसाद शामिल हैं। ठोकिया गैंग ने 23 जुलाई 2007 को यह घटना को अंजाम दिया था।

मारे गए एसटीएफ के जवान उस टीम का हिस्सा थे, जिन्होंने कुछ घंटे पहले ददुआ को एंकाउंटर में मार गिराया था।

ठोकिया और उसके लोगों ने एसटीएफ के जवानों को ले जा रहे एक वाहन पर स्वचालित हथियारों से गोलियां चलरई और ग्रेनेड फेंके। वाहन के पीछे मौजूद एक अन्य दल ने डकैतों का विरोध किया, जो फिर जंगलों में चले गए।

एसटीएफ के जवानों की पहचान ईश्वर देव सिंह, उमा शंकर यादव, लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, राजेश चौहान, बृजेश यादव और गिरीश चंद्र के रूप में हुई है।

एफआईआर में 17 लोगों के नाम हैं और उनमें से एक मोहम्मद अनीस को जांच में क्लीन चिट दे दी गई है। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने मामले में 29 गवाह पेश किए थे।

आरोपी विचित्रवीर सिंह और राम स्वरूप सिंह के वकीलों ने कहा कि वे अदालत के आदेश का अध्ययन करेंगे और उसके बाद इस पर टिप्पणी करेंगे।

अगस्त 2008 में तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, अमिताभ यश के नेतृत्व में एसटीएफ टीम के साथ मुठभेड़ में ठोकिया मारा गया था। ठोकिया पर 6 लाख रुपये का नकद इनाम था और उसके खिलाफ 147 आपराधिक मामले थे।

बता दें, 2017 में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में एक और डकैत बलखंडे मारा गया था।

उदयपुर घटना की निंदा करने पर सूफी खानकाह एसोसिएशन के अध्यक्ष को मिली धमकी

कानपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में कानपुर स्थित सूफी खानकाह एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद कौसर हसन मजीदी को कथित तौर पर एक फोन कॉल आया, जिसमें उदयपुर की घटना की निंदा करने और सुन्नी इस्लामिक संगठन दावत-ए-इस्लामी के खिलाफ अभियान शुरू करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। यह जानकारी पुलिस ने दी। मजीदी ने जूही थाने में शिकायत दर्ज कर कानपुर में दावत-ए-इस्लामी की गतिविधियों की जांच की मांग की थी।

उन्होंने प्रवक्ता के रूप में भी उदयपुर की घटना की निंदा की थी, जिसके बाद उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात कॉलर ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

पुलिस ने कहा कि वे मामले के संबंध में मजीदी की शिकायत की जांच कर रहे हैं।

मजीदी ने इससे पहले 2021 में कानपुर में दावत-ए-इस्लामी के संचालन की जांच के संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत की थी।

संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने कहा, पुलिस मजीदी की शिकायत की जांच कर रही है और सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में दावत-ए-इस्लामी संगठन की गतिविधियों और उसी नाम के संगठनों के साथ इसके संभावित संबंध पर सवाल उठाए गए हैं, जिसका मुख्यालय पाकिस्तान में है।

पंजाब में जम्मू के रास्ते तस्करी : गुरदासपुर में 16 किलो से अधिक हेरोइन बरामद, चार तस्करों को दबोचा, मास्टरमाइंड की तलाश

गुरदासपुर (आरएनएस)। गुरदासपुर के दीनानगर पुलिस ने 16 किलो 800 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस संबंध में पुलिस ने चार तस्करों को दो इनोवा गाडिय़ों के साथ गिरफ्तार किया है, जबकि मास्टरमाइंड फरार है। ये तस्कर जम्मू-कश्मीर से हेरोइन की खेप लेकर पंजाब में आ रहे थे। गिरफ्तार सभी आरोपी तरनतारन के हैं।

गुरदासपुर के एसएसपी हरजीत सिंह ने बताया कि गुरदासपुर की स्पेशल सेल टीम को गुप्त सूचना मिली कि मलकीत सिंह निवासी चीमा कलां थाना सराए अमानत खां जिला तरनतारन के संबंध पाकिस्तान में बैठे तस्करों से हैं और यह वाया जम्मू-कश्मीर अपने लोग भेजकर भारी मात्रा में हेरोइन मंगवाकर आगे बेचता है। यह जल्द ही बड़ी खेप मंगवाने जा रहा है। यही वजह है कि पिछले तीन से चार दिन से पुलिस इसकी जांच कर रही थी।

सूचना मिली कि मलकीत सिंह ने गुरदित्त सिंह उर्फ गित्ता और भोला सिंह निवासी चीमा कलां को इनोवा क्रिस्टा और मनजिंदर सिंह मन्ना और कुलदीप सिंह गीवी, कीपा निवासी काजीकोट रोड तरनतारन को इनोवा गाड़ी देकर हेरोइन लेने भेजा है। पुलिस ने सूचना के बाद डीएसपी गुरिंदरपाल सिंह नागरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सहकारी शुगर मिल पनियाड़ के पास अमृतसर-पठानकोट मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी कर दी।

जैसे ही रात करीब 10 बजे गाडिय़ां शुगर मिल के पास पहुंची तो रोक लिया गया। तलाशी के दौरान उनसे 16 किलो 800 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी जम्मू-कश्मीर से हेरोइन की खेप लेकर आ रहे थे। पुलिस ने गुरदित्त सिंह, भोला सिंह, मनजिंदर सिंह और कुलदीप सिंह कीवी को दोनों इनोवा सहित गिरफ्तार कर लिया। जबकि मास्टरमाइंड मलकीत सिंह पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इस संबंध में पुलिस ने दीनानगर थाने में मामला दर्ज किया है।

बिहार में नदियां उफान पर, बाढ़ सुरक्षा में तकनीक का इस्तेमाल

पटना (आरएनएस)। बिहार में मानसून की बारिश के बीच जहां कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है, वहीं सरकार तटबंधों की निगरानी के लिए ड्रोन की मदद लेने की बात कर रही है। इधर, प्रमुख नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी के बाद कई तटबंधों पर दबाव बना हुआ है। जल संसाधन विभाग के एक अधिकारी बताते हैं कि इस वर्ष बाढ़ अवधि को लेकर विभाग तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। बाढ़ पर सुरक्षात्मक गतिविधियों, नई तकनीक, बाढ़ प्रबंधन सुधार केंद्र के विस्तृत डाटा के उपयोग, पूर्व चेतावनी व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा तटबंधों और नदियों की निगरानी में ड्रोन का इस्तेमाल करने की तैयारी में है।

इधर, राज्य के कई हिस्सों में हो रही बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई है। जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने भी पिछले दिनों अधिकारियों के साथ हुई बैठक में इन बातों को लेकर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया था। झा कहते हैं कि बारिश और नेपाल से आ रही नदियों के पानी को तो रोका नहीं जा सकता, लेकिन उपलब्ध उपायों से बाढ़ से बचाव तथा उससे कम नुकसान हो इसे लेकर तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

बाढ़ प्रक्षेत्र से जुड़े अधिकारियों को बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायक केंद्र से प्राप्त अद्यतन आंकड़ों को पूरी तरह व्यवहार कर सुरक्षात्मक कार्यों की गुणवता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ राहत शिविर को लेकर भी संबंधित इलाकों को निर्देश दिया गया है।

इधर, नदियों के जलस्तर में वृद्धि के बाद कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। जल संसाधान विभाग द्वारा जारी बाढ़ बुलेटिन के मुताबिक, गंडक जहां डुमरिया घाट में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, वहीं कोसी नदी बसुआ, बागमती में डूबाधार, कंसार, कटौंझा और बेनीबाद में तथा कमला बलान नदी जयनगर और झंझारपुर रेल पुल के पास खतरे के निशान से उपर बह रही है। इसके अलावे महानंदा ढेंगराहाघाट में खतरे के निशान से उपर है।